अभी तक बार - बार के आश्वासन के बावजूद उक्त टंकी को चालू नहीं किया गया है। अगर नई टंकी को चालू कर दिया जाता तो आज वहाँ के निवासियों को पानी के अकाल का समाना नहीं करना पड़ता।

अतः रक्षा मन्त्री से मेरा अनुरोध है कि वे फौरन कारगर कदम उठावें ताकि पेय जल की कमी का अन्त किया जा सके और लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने लगे।

(viii) Need to constitute a high level committee to look into complaints and grievances of telephone subscribers of Kanpur

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सभापति महोदय, मैं कानपुर निवासी टेलीफोन उपभोक्ताओं के लम्बे समय से चली आ रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। टेलीफोन का अक्सर खराब रहना तो पूरे देश में ही स्वाभाविक समस्या है किन्तु इस शहर में नियमित रूप से एक माह में दस दिन कम से कम टेलीफोन खराब रहते ही हैं, किन्तु टेलीफोन के बिल पूरी उदारता के साथ बनाए जाते हैं। जब उपभोक्ता इन बिलों के सम्बन्ध में टेलीफोन खराब होने के सम्बन्ध में उच्च अधिकारियों से सम्पर्क करना चाहते हैं तो लंबे - लंबे समय से उनका सम्पर्क ही इन व्यस्त अधिकारियों से नहीं हो पाता। 30 लाख की लागत से एक नए एक्सचेंज का निर्माण 80 में इस शहर में प्रारम्भ किया गया और वह निर्माण 82 में अधूरा ही छोड़ दिया गया। नयागंज कानपुर में एक नया एक्सचेंज बनाने का प्रस्ताव था किन्तु वह भी लागू नहीं किया गया। रेल लाइन के समीप होने का बहाना बनाकर प्रस्ताव को रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया है, कानपुर में टेलीफोन की आय 1980-81 एवं 81-82 वर्ष की अपेक्षा 1982-83 एवं 83-84 में लगभग आधी रह गई है। उल्लेखनीय है कि गत फरवरी में जब संचार मन्त्री कानपुर पधारे थे तब इन टेलीफोन उपभोक्ताओं ने अपनी शिकायतें एवं आरोप उन के समक्ष रखे थे। किन्तु अभी तक उनकी शिकायतों को दूर नहीं किया गया है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि कानपुर निवासी टेलीफोन उपभोक्ताओं की शिकायतों एवं आरोपों, जिन्हें वे सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर चुके हैं, के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति गठन की जाए और प्रशासनिक व्यवस्था को तत्काल चुस्त एवं क्रियाशील बनाया जाए ताकि इस नगर के निवासियों को राहत मिल सके।

14.19 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 1984-85—*Contd.*

MINISTRY OF ENERGY—*Contd.*

MR. CHAIRMAN : We now take up further discussion and voting on the Demands for Grants under the control of the Ministry of Energy. Now Shri C.D. Patel.

SHRI C.D PATEL (Surat) : Sir, I rise to support the Demands for Grants in respect of the Ministry of Energy. So far as this Ministry's performance is concerned, in respect of crude oil, very deserving compliments have been paid by many of the hon. Members. These compliments are well-deserved.

So far as the production aspect is concerned, it is likely to be 26 million metric tonnes during next year. So, we feel that we are on our way to self-sufficiency, and we are awaiting the time when there will not be any import of this particular products because